

Рис. 1–2 к статье Б.Л. Фонкича

Τοῦτον. συνῆκας. εὐερόν. Ἀκριβώφηττον ὅπλον; φρέσκα
 αὐτὸν τὸν διάμετρον.
 Χ' Οὐλέγω φησίν. Ὅπλουδα
 σύνταξις ποιήσαι σύντοιχον
 ήτο. Διὰ ὅπλους οἵδες
 παστέρων. οὐδὲ οὐδὲ
 αὐτὰ δύναται. οὐδὲ θέσης
 εἴτε πόλη τα μητέρες βασί-
 σιάς τους κατασκευάσῃ.
 Θείσονταί τους κατέκειν.
 Ή οἱ δόλοι. σκηνοί. πρέμει:
 : Οὐδὲ σύντοιχον. αὐτει ποιεῖ
 καὶ οἱ οἰκιστοί.
 Χ' Κ' Εἰ πέδησι φησίν οὐλέποιχον
 ἐσκόπιον. πολύτοπον εἰσι.
 Καὶ πόθεν οὐ πορέαν ταῖς.
 Διαφέρει λόγον πού τὸ φῶσ
 Καὶ ποὺ τὸ σκόπιον πέρην
 Εἰ πού τε διπλοῦ διδοῖς εἰ
 λεγαί φαίνεται. λέγε οὕτη
 εἰστε τε επικήθος. Οὐταν τὰ περιθύνειν διηνεκεῖται
 γὰρ σατιρίσια πολυτύπησις ὑπέχειν. Οὐσεῖτε πεπισθέστε. οὐταν
 σκειδεῖ εἰ ταῦθα οὕτη τοινόν οὐλέποιχον οὐδὲ πιάνειν αὐτοῖς. ταῦ
 πολλὰ επιπέδην:
 Χ' Τι δέ φησίν αὐτὰς οὐλέποιχεις. ταῦτα σαντον
 εἰπι πού εἶναι θέσης. καὶ μὴ δεῖται διλαπτεῖ τε ποτε μέθονται. Δια
 ποσσος δρεόμος. ταῦτα σαντονούσι ταῖς. πασῶν αἰγαστές εἰσιν αἱ
 οὐλέποιχεις. Οὐτα δέ φρούτος καὶ σκόπιον. τὸ περιστόματον θεῖον.
 Χ' Θ' Βαρύολε γέγενε. όχοτηλοποιηταῖσιν. Διὰ ὅπλη τηνασσούσωστος πρό
 ση καὶ θητανεραφήνικα βαλλούσιν οὐκούσιν αὐτοῖς. Οὕτη βούληται
 οὐλασσον φησι ποτέ την μαχαιρούσην ξύλον εχειλαζεῖς φαινεῖται ποτε την
 τοι; οὐλασσον εἰπούσησται πολεμίων χειλαζεῖται. οὐπρέπει ποτε ειπούσην τοι;

Рис. 1. Санкт-Петербург, ГПБ. греч. 382. Л. 1

Πολλαὶ γένεται πάντα τὰ θεῖα. Καὶ δέ τι περὶ τῶν εὐαγγείλων τοῖς οὖσιν
 ἀπεριβαλλόμενοι. Εἰς μέσον τῆς πόλεως πάντας οὐδείς
 φέρει. Οὐπούργη πάντας περικοπεῖται.
 Εἰς βορράθεματον τοῦ
 πολύθρυος οὐδὲν. Ιππάριοι
 υποκετειδίνουσι θύματα,
 λυτεφονται. Λέπτων τοῖς
 εὐθυμοῖσι βέβληθες. Καὶ τούτοις
 ἐπλάσκονται δημαρχοί φθονοί.
 Καὶ τὰ βέβληστα
 συμφωνοῦσι:



Ταῦτα πάρεμεν. Οὐτέ δέ τοι πεισθεῖτε βικηνεῖξα τοῖς σκειτυρίαις.
 τὰ πλάνα τοιαὶ οὐρανοταῦτα, οὐ ποτὲ ταῦτα φαινομένα τοιαὶ. Τούταταν, οὐτι
 γνωσκαὶ θηθνάτους βέβλουστεν εἶχαν. Μεταποτρίσιον μεταβίτην οὐδὲν δικαστήσατε:
 Εἰτανθετητὴ φθονεῖ αἱ αἴτους πάντα παράδεξαν τοῖς οὐρανοῖς. Καὶ
 σκία, καθημένοισι πειλατεῖνειρ μηνίστετε. καὶ τοὺς πήνεδεις λέγοντες
 σπουδάνετε τὸ θεατικό. Βασιλεὺς δὲ τὸν οὐρανόν οστοντες, Καλέσθετε φαινόν
 αἰώνον. καὶ τὸν ποὺρχούσιον τὸ θύμητα μετανοοῦσιν οὐδὲν σωρκόντες τὸν
 τρόπον τοῦ φεύγειν:

Ιερυ. XIII Βοκα.

Рис. 2. Санкт-Петербург, ГПБ, греч. 382. Л. 1 об.

Рис. 1–26 к статье О.С. Поповой



Рис. 1. Ангел. Символ евангелиста Матфея. Л. 26



Рис. 2. Евангелист Матфей. Л. 26 об.

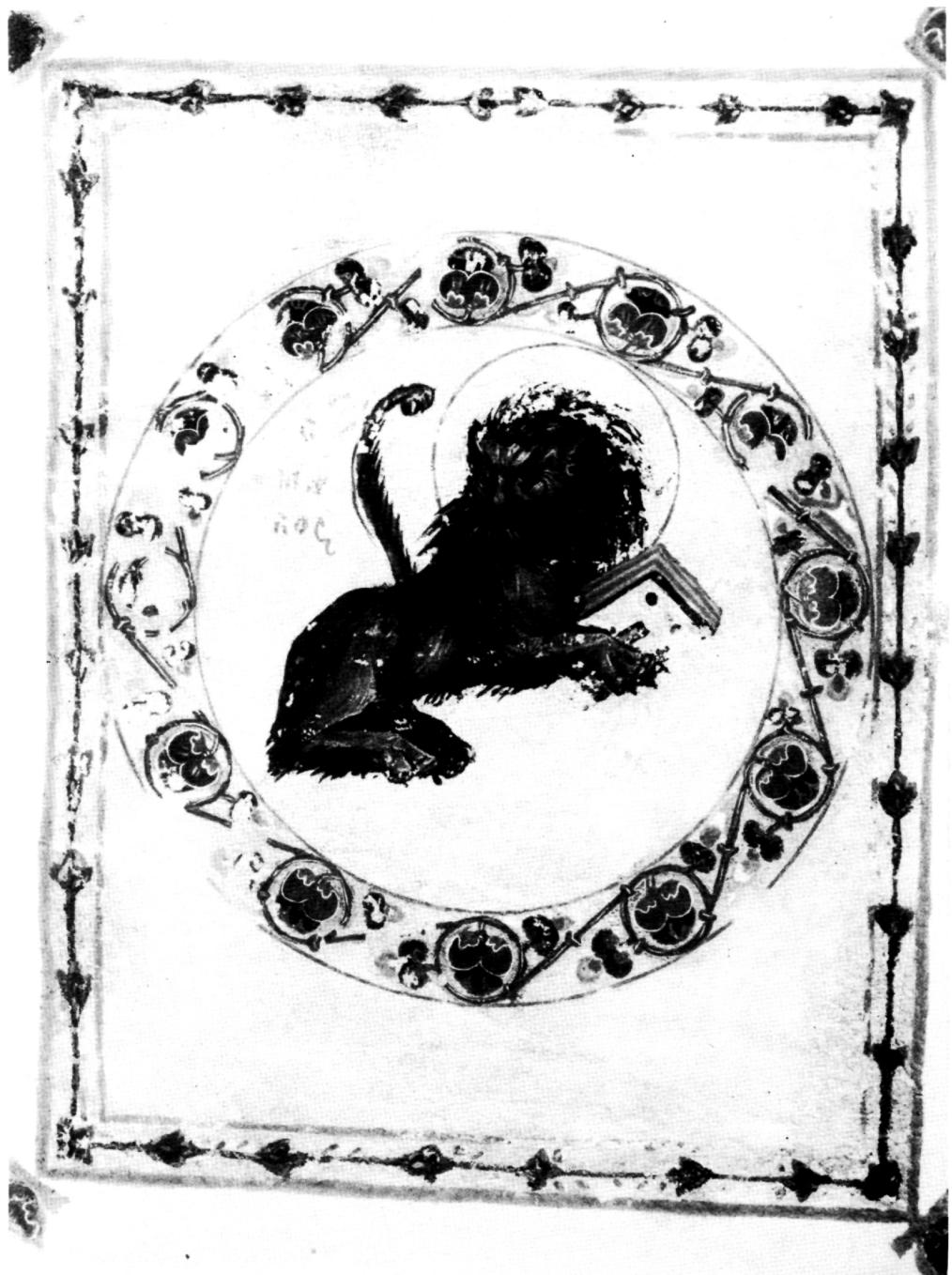


Рис. 3. Лев. Символ евангелиста Марка. Л. 79



Рис. 4. Евангелист Марк. Л. 79 об.



Рис. 5. Бык. Символ евангелиста Луки. Л. 111

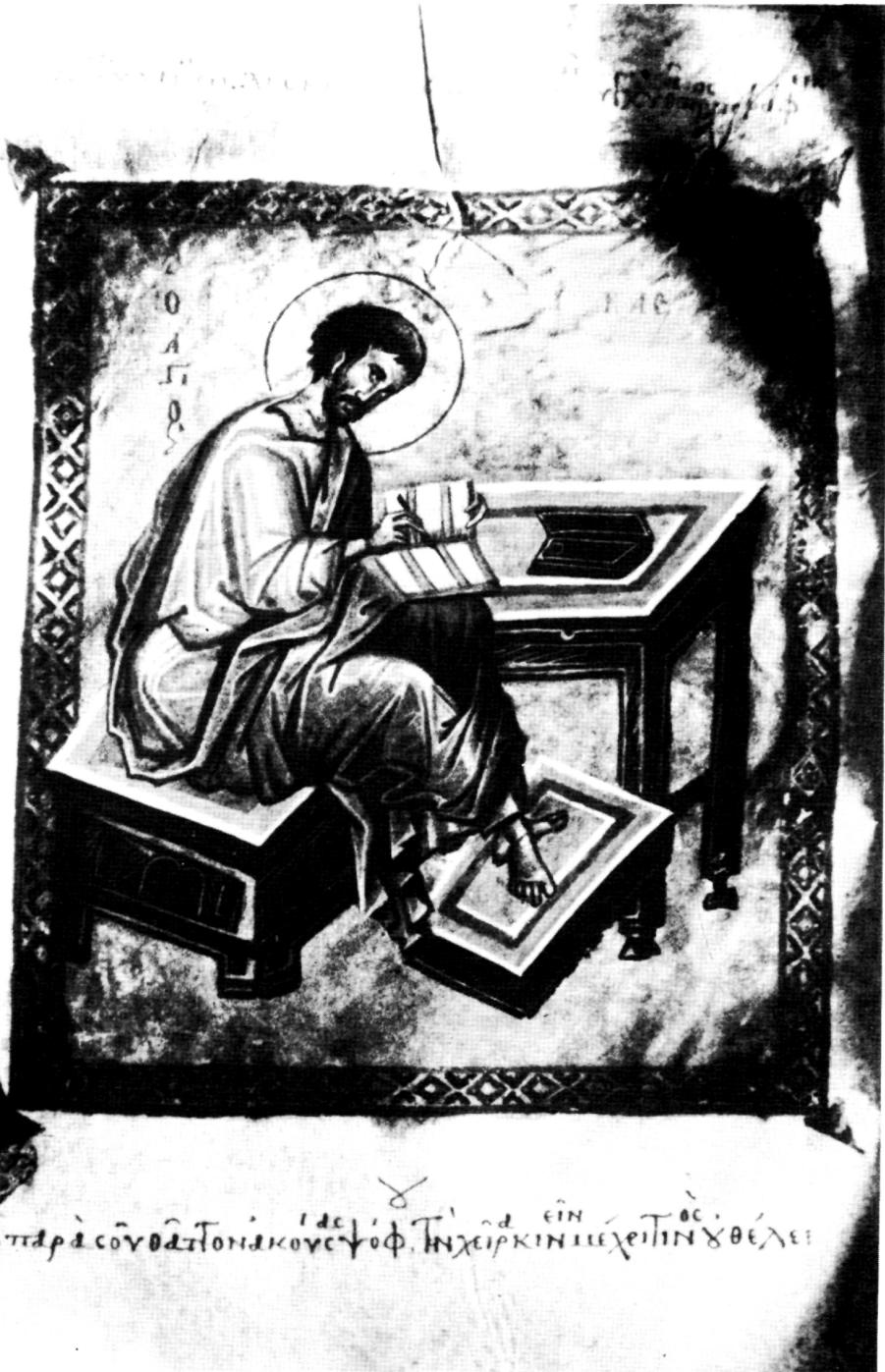


Рис. 6. Евангелист Лука. Л. 111 об.



Рис. 7. Орел. Символ евангелиста Иоанна. Л. 161

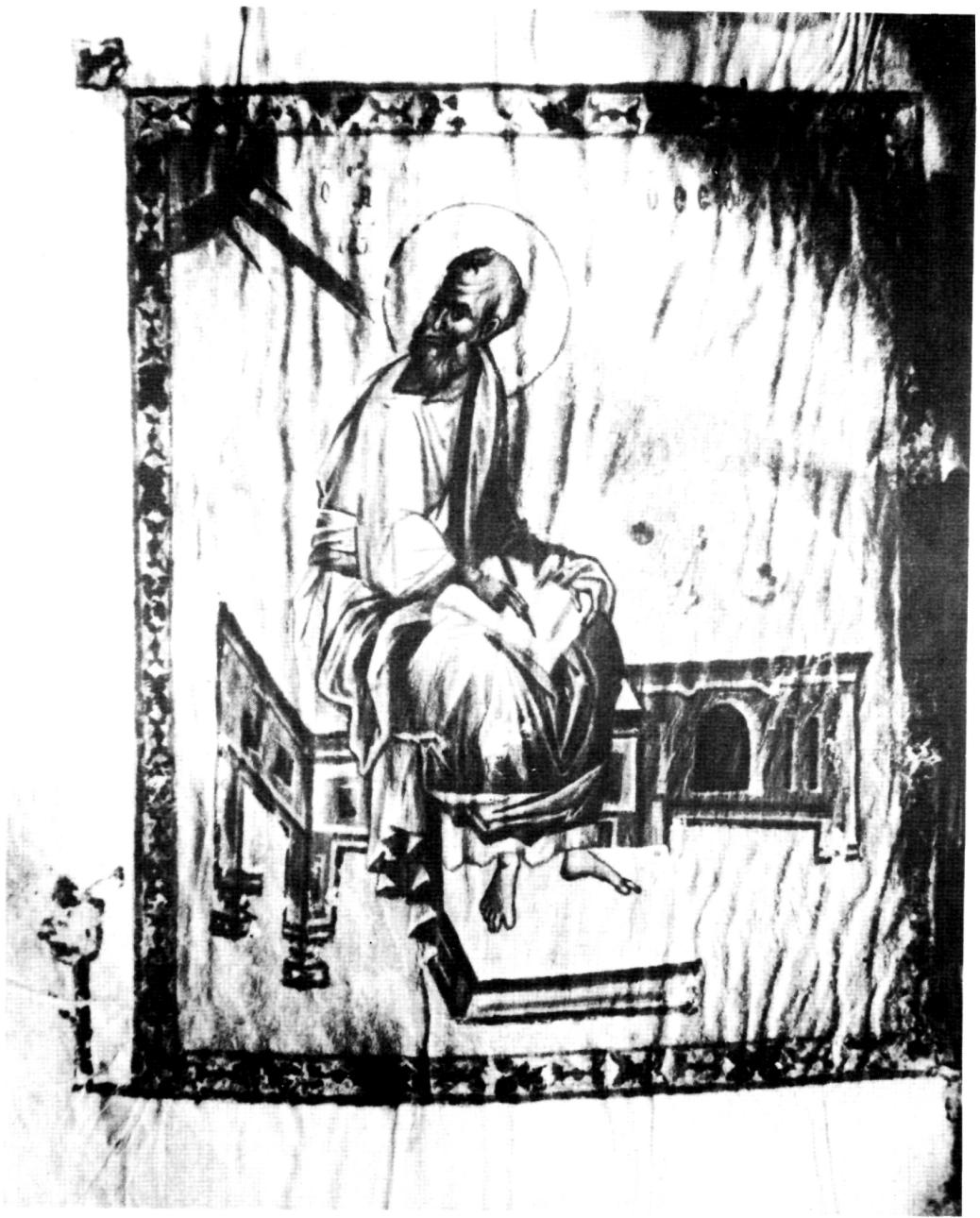


Рис. 8. Евангелист Иоанн. Л. 161 об.



Рис. 9. Апостол Лука. Л. 196 об.



Рис. 10. Апостол Иаков. Л. 244 об.



Рис. 11. Апостол Петр. Л. 260 об.

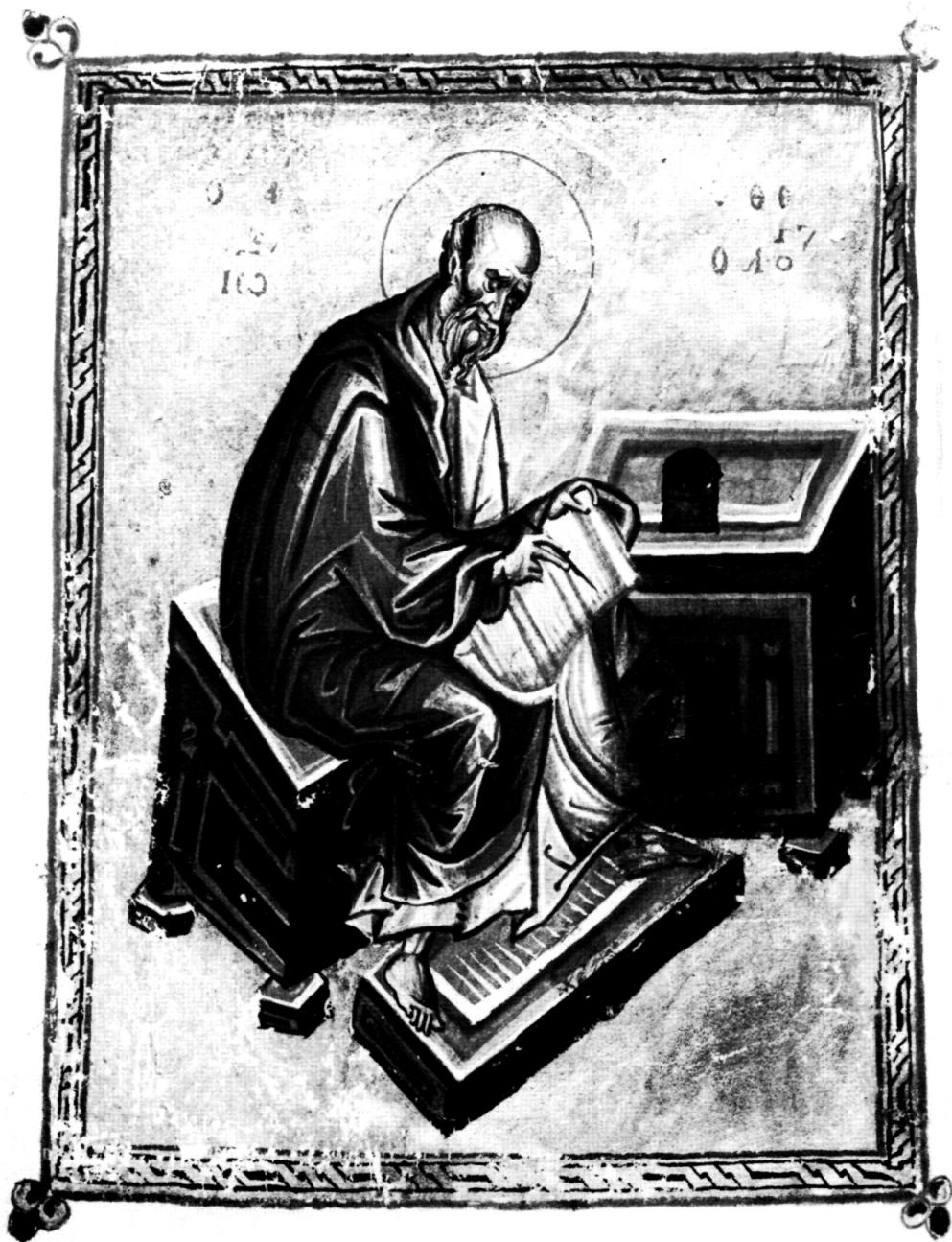


Рис. 12. Апостол Иоанн. Л. 271 об.



Рис. 13. Апостол Иуда. Л. 280 об.



Рис. 14. Апостол Павел. Л. 286 об.



Рис. 15. Иоанн Богослов перед Апокалипсисом. Л. 388 об



Рис. 16. Царь Давид. Л. 410 об.



Рис. 17. Пророк Исаия. Л. 489 об.

Καὶ ἐπρήσθη ταῦτα Ἰονας καὶ μέσος· Καὶ διέφευγε θησαύροις
οὐκέτη γῆ· καὶ δὲ πρόσωπον πάρσου, οὐκέτι αὐτοῖς ἔσται· καὶ δέ γε
τελεσθεῖσαν ποτε ταῦτα· πάλιν ζεῦσιν· οὐ σίκεις οὐτοπολεμεῖσθος
ἀποκλεισθεὶς τὴν θύραν τοῦ· εἰσερχεται διὰ τοῦ προκόπου· Εἰ
δὲ πρεσβύτερος τοῦ·



Рис. 18. Иона во чреве кита. Л. 490 об.



Рис. 19. Встреча Марии и Елизаветы. Л. 491 об



Рис. 20. Захария – отец Иоанна Предтечи. Л. 492 об.

καὶ σύνασθε τὸ ἔπος τοῦ λέοντος αὐχείρεος· καὶ πάσαις διώρυξαι
σύνασθε τῷ οὐρανῷ τῇ θεῷ· οὐδὲν οὐδὲν οὐτός φέρεις σὺν δρόμῳ
πάντων· Καὶ διαμάζετο εἰς θάλασσαν· Καὶ εἰπάσσετε τῷ θεῷ
τοῦ κόστοῦ Τύμπανον θάλασσαν· ποιεῖ γοινόλεπτον Θεόν
διὰ ξυραφίσσεόν τοις θάλασσαν·



Рис. 21. Переход иудеев через Красное море л. 494

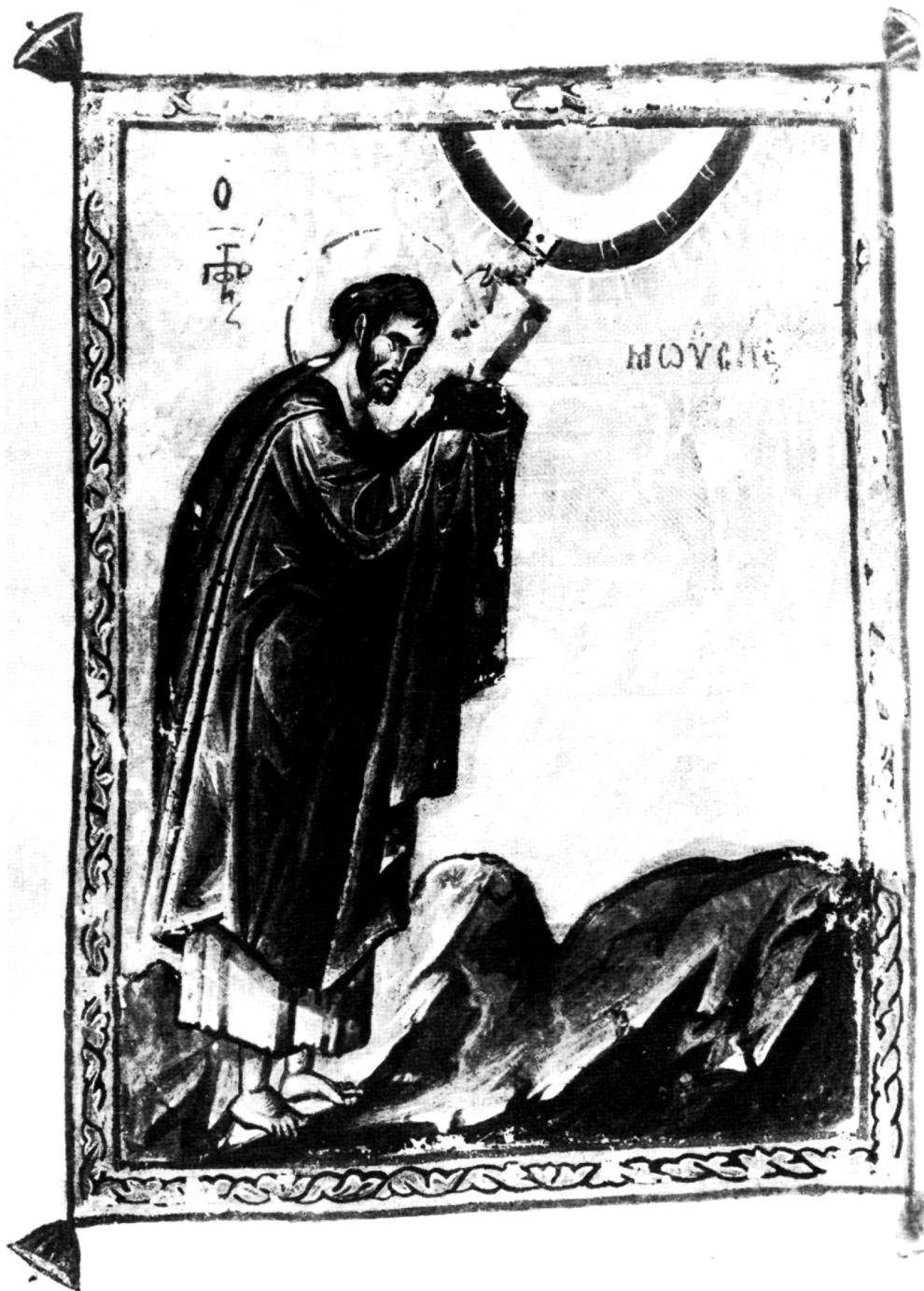


Рис. 22. Моисей получает заповеди на Синае. Л. 494 об.

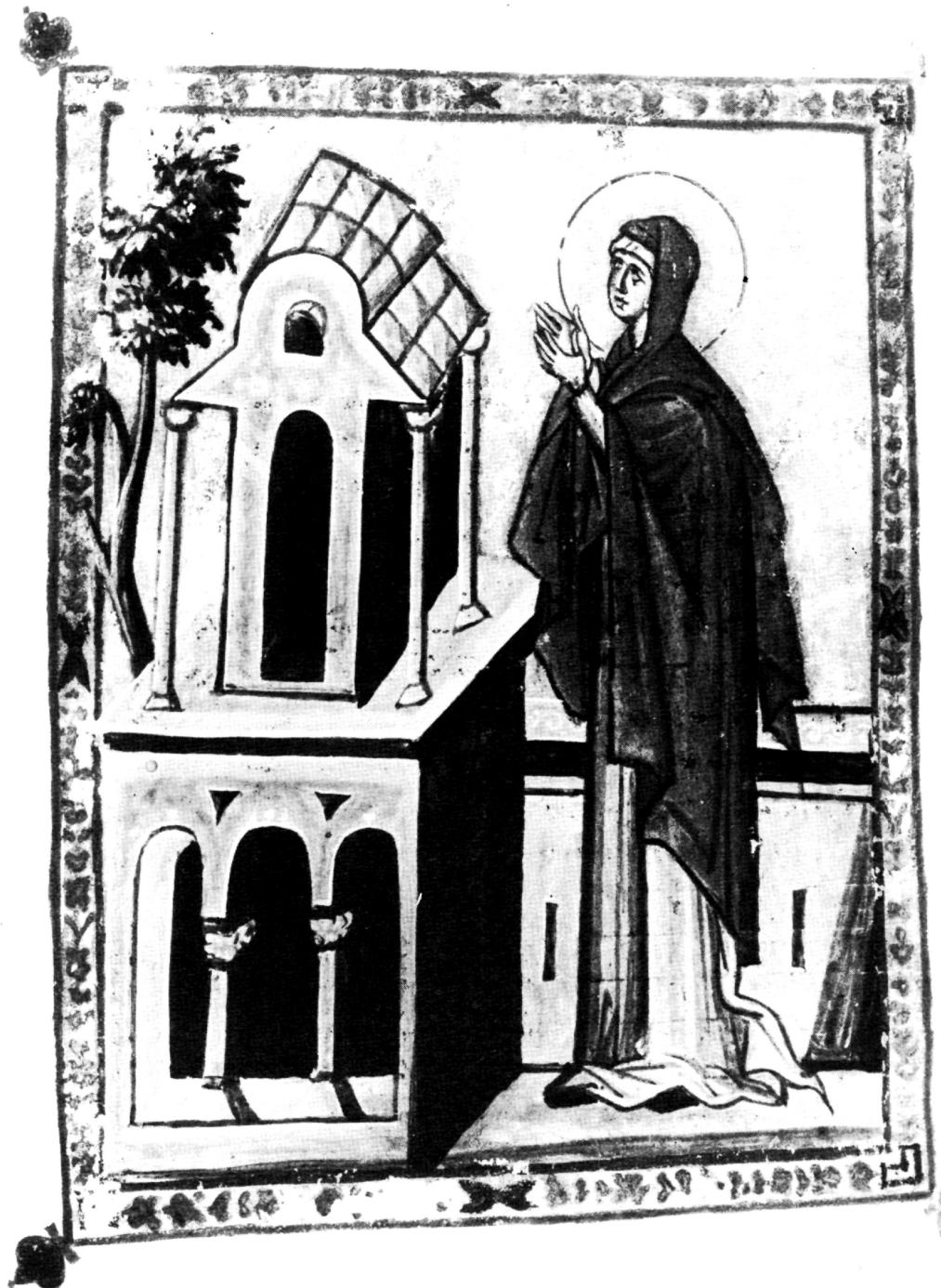


Рис. 23. Моление Анны, матери пророка Самуила. Л. 497 об.



Рис. 24. Три иудейских отрока перед царем Навуходоносором. Л. 498 об.



Рис. 25. Три иудейских отрока в огненной печи. Л. 500 об.

ἀντίτοιπε καὶ χάστε ὅπαχεῖς εἰ τῷ οἰωνίτιν Καὶ πάλι
 οπειν τὸ τέρατον Καὶ πάλι καὶ δικασθήσεοντο
 τοῦ ποδὸν τοῦ θεού σώματος Καὶ εἰρόν τησεν αὐτούς Καὶ πάλι
 Κρατῆσαι δικασθῶντας Καὶ διώσθωσθε τοῦ πασοῦ λαοῦ Καὶ πάλι
 Καὶ τέλος χριστῶν αὐτοῦ:-
 ○
 ΙΩΡ



Рис. 26. Пророк Аввакум. Л. 502 об.

Рис. 1–5 к статье В.Н. Залесской



Рис. 1. Крест. XVI в. Из подношения Александру I. Эрмитаж



Рис. 2. Крест. 1549 г. Эрмитаж

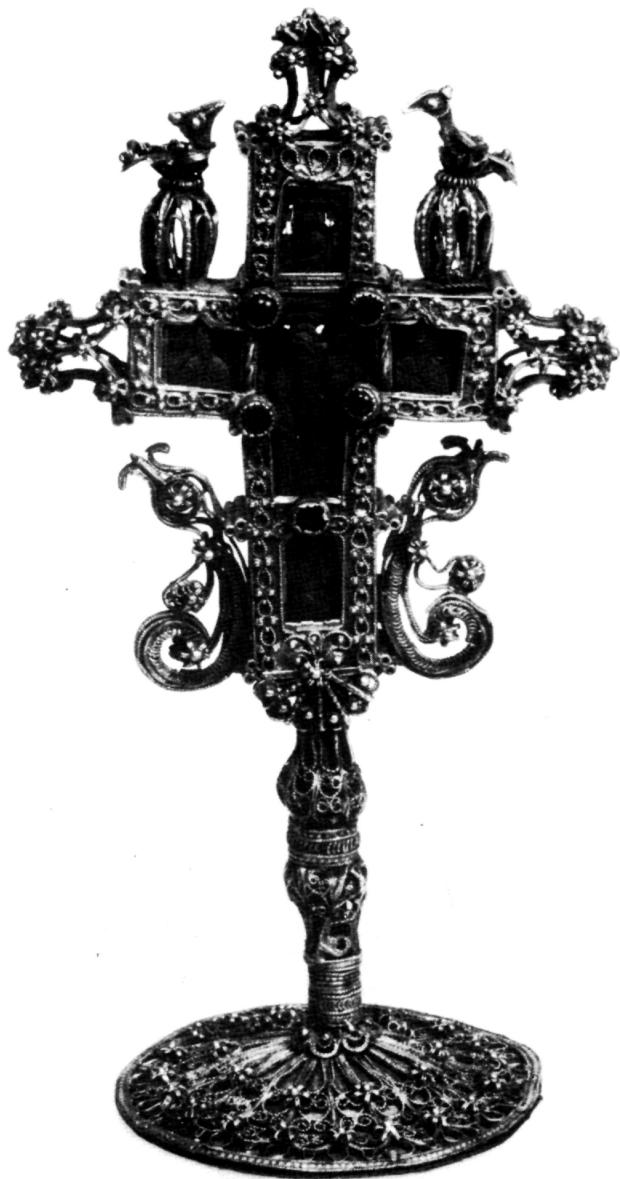


Рис. 3. Крест. XVII в. Из вклада унгровалашского архиепископа Анфимия Иверского. Эрмитаж

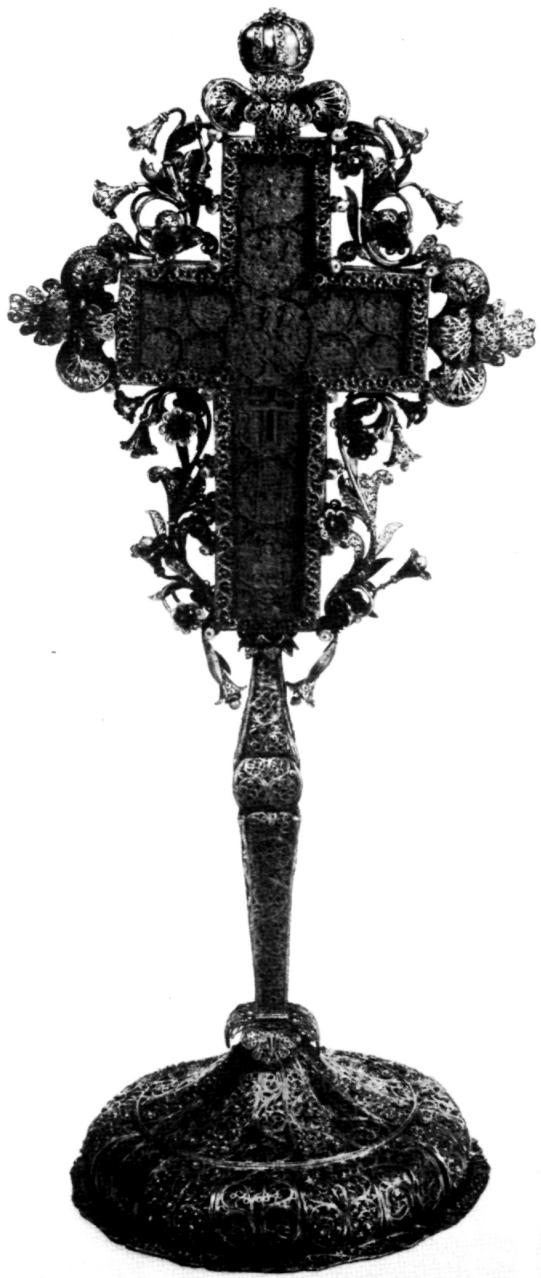


Рис. 4. Крест. Рубеж XVII–XVIII вв. Эрмитаж



Рис. 5. Образок. Рубеж XVII–XVIII вв.
Эрмитаж

Рис. к статье А.Я. Каковкина



Рис. 1. Пенелопа с женихом. Коптская ткань VII в. Москва, ГМИИ им. А.С. Пушкина